सप्तऋषि : देश के सर्वांगीण विकास का आधार

कृषि कुंभ (जुन, 2023),
खण्ड 03 भाग 01, पृष्ठ संख्या 60–61

सप्तऋषि : देश के सर्वांगीण विकास का आधार

ज्ञानेन्द्र सिंह[1], शैलेन्द्र कुमार यादव[2] एवं प्रदीप कुमार वर्मा[3]
[1,2]कृषि प्रसार एवं संचार विभागए [3]पादप रोग विज्ञान विभाग
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय,
मोदीपुरम, मेरठ, उत्तर प्रदेश, 250110 भारत।

Email Id:sgyanendra651@gmail.com

परिचय

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा आम बजट भाषण 2023 के दौरान सप्तऋषि शब्द का प्रयोग किया गया। वित्त मंत्री द्वारा प्रयुक्त शब्द सप्तऋषि हिन्दू माइथोलॉजी से लिया गया है। हिन्दू माइथोलॉजी में जिन सात ऋषियों के समूह को सप्तऋषि की अवधारणा दी गयी है, वह अग्रलिखित हैं – ऋषि वशिष्ठ, ऋषि विश्वामित्र, ऋषि जमदग्नि, ऋषि भारद्वाज, ऋषि अत्रि, ऋषि गौतम, और ऋषि कश्यप। प्राचीन वेद विद्वताओं का मानना है कि उक्त सप्तऋषियों ने भारतवर्ष के लिए विशेष योगदान दिया है।

वित्त मंत्री द्वारा सप्तऋषि शब्द का प्रयोग बजट के प्रमुख 7 उद्देश्यों को वर्णित करने के लिए किया है, जिस प्रकार सप्तऋषियों में सम्मिलित प्रत्येक ऋषि कि अपनी अलग पहचान होने के बावजूद उन्हें एक साथ पुकारा जाता है। उसी प्रकार वित्त मंत्री ने बजट में सम्मिलित 7 प्राथमिकताओं को बताते हुए सप्तऋषि का नाम दिया और इसी सप्तऋषि को देश के विकास का आधार भी बताया।

सप्तऋषि में सम्मिलित 7 प्राथमिकताएं

1. समावेशी विकास
2. आखिरी व्यक्ति तक पहुँच और वंचितों को वरीयता
3. बुनियादी ढांचे और निवेश
4. हरित विकास
5. युवा शक्ति
6. क्षमता विस्तार
7. वित्तीय क्षेत्र

समावेशी विकास

वित्त मंत्री ने प्रथम प्राथमिकता के रूप में समावेशी विकास को बताया। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता 'सबका साथ और सबका विकास' होगी। समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों (किसान, महिलाओं, युवाओं इत्यादि) को समान वरीयता देते हुए उनके विकास एवं हितों के लिए बिना भेदभाव कार्य करना। इसीलिए सप्तऋषि में समावेशी विकास को सम्मिलित किया गया है।

समावेशी विकास कृषि, स्वास्थ्य सुविधाएँ और शिक्षा पर केंद्रित है। इसके अंतर्गत कृषि उद्यम स्थापित करने के लिए फण्ड, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा एवं युवाओं के सशक्तिकरण हेतु कौशल केंद्रों की स्थापना का जिक्र किया गया।

आखिरी व्यक्ति तक पहुँच और वंचितों को वरीयता

वित्त मंत्री ने कहा कि जब तक देश के वंचितों पिछड़ों का विकास नहीं होगा तब तक समावेशी विकास की परिकल्पना को पूर्ण नहीं किया जा सकता है।

इस प्राथमिकता में उन्होंने एस्पिरेशनल ब्लॉक्स प्रोग्राम को पेश किया जो सरकार द्वारा संचालित सेवाओं को 500 ब्लॉक तक पहुंचाने का काम करेगी। साथ ही आदिवासी जनजातियों के विकास के लिए प्रधानमंत्री कमजोर जनजातीय समूह विकास मिशन को लांच किया गया, जिसके तहत आवास स्वच्छ जल, सड़क और संचार सुगमता प्रदान कराई जाएगी।

बुनियादी ढांचे और निवेश

वित्त मंत्री ने बुनियादी ढांचे और निवेश को बढ़ावा देने का जिक्र किया, उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाए रखने हेतु बुनियादी ढांचे पर सुधार के साथ निवेश को बढ़ाने के लिए भी ध्यान देने के बारे में कहा।

हरित विकास

हरित विकास का आशय कृषि कृषि संबंधित क्षेत्र और किसानों की स्थिति में सुधार से है। उन्होंने कहा कि सरकार कदन्न (मोटे अनाज) कोई इसीलिए वरीयता दे रही है ताकि लघु किसानों की हालत में भी सुधार हो सके। इसी के दृष्टिगत सरकार द्वारा श्री अन्न योजना का शुभारंभ हुआ है यह प्राथमिकता सप्तऋषि प्लान में ग्रीन ग्रोथ के रूप में शामिल है।

युवा शक्ति

सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पेश की गई है। बजट के तहत युवाओं के कौशल विकास हेतु प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना को लांच किया गया। ड्रोन और 3क प्रिंटिंग के अतिरिक्त इस योजना में नए युग के पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे।

क्षमता विस्तार

वित्त मंत्री ने युवाओं में क्षमता विस्तार के बारे में कहा कि जब तक देश के युवाओं की क्षमताओं का विस्तार नहीं होता है तब तक अर्थव्यवस्था में तेजी नहीं हो सकती है।

वित्तीय क्षेत्र

MSME के लिए क्रेडिट गारंटी पेश किया गया है। वित्त मंत्री ने 7 बिंदुओं पर आधारित बजट के बारे में बताते हुए कहा कि सरकार देश की वित्तीय स्थिति को लाभ पहुंचाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी।